

विविध बैंक प्रकरण संख्या 123/2019 (RCMS 2019/00218) भारतीय स्टेट बैंक-प्रो. विनीत बंसल, प्राधिकृत अधिकारी/मुख्य प्रबन्धक, शाखा नई मण्डी घड़साना जिला श्रीगंगानगर बनाम 1. मैसर्स निशा टेलीकॉम - प्रो. श्रीमती निशा रानी पत्नी श्री सुशील कुमार, निवासी नजदीक बस स्टैंड, नई धान मंडी, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर 2. श्री सुशील कुमार पुत्र श्री उग्रसेन निवासी वार्ड नं. 01 गुरुदयाल कॉलोनी, घड़साना मंडी, जिला श्रीगंगानगर (राज.)



20.11.2019

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक के अधिवक्ता श्री भारत भूषण महेन्द्रा उपस्थित है। बहस सुनी गई एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया।

प्रार्थी बैंक के अधिवक्ता श्री भारत भूषण महेन्द्रा का कथन है कि प्रार्थी द्वारा एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी बैंक द्वारा अप्रार्थी मैसर्स निशा टेलीकॉम प्रो. श्रीमती निशा रानी एवं सुशील कुमार को ऋण सुविधा के रूप में 14.40 लाख रुपये (अखरे रुपये चौदह लाख चालीस हजार मात्र) का ऋण दिनांक 20.11.2015 को स्वीकृत किया था और ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी ऋणी सुशील कुमार की अचल सम्पत्ति वार्ड नं. 01 (क्षेत्रफल 1125 वर्गफुट), 3 एसटीआर, पट्टा नं. 47, बुक नं. 25, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर में स्थित है, को प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी। उनका आगे कथन है कि अप्रार्थी द्वारा ऋण की शर्तों के अनुसार नियमित रूप से ऋण का भुगतान नहीं किया गया है जिस कारण उनका ऋण खाता दिनांक 30.03.2109 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) के रूप में घोषित कर दिया गया। अप्रार्थीगण ऋणियों के नाम दिनांक 30.04.2019 को 15,05,010/-रूपये ऋण राशि व इसके पश्चात के ब्याज व अन्य खर्चे अतिरिक्त के बकाया है जिस पर अप्रार्थीगण को धारा 13(2)के अन्तर्गत 60 दिवस का रजिस्टर्ड एडी नोटिस दिनांक 02.05.2019 को उक्त बकाया राशि जमा करवाने का जारी किया गया। धारा 13(2) के नोटिस पर अप्रार्थीगण स्वयं के हस्ताक्षर है, जिसके अनुसार अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील हो चुकी है जिसके बावजूद भी अप्रार्थीगण द्वारा बैंक की उक्त

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

बकाया राशि जमा नहीं करवाई गई है। इसलिए अप्रार्थी ऋणी श्री सुशील कुमार द्वारा ऋण की सुरक्षा की एवज में प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति वार्ड नं. 01 (क्षेत्रफल 1125 वर्गफुट), 3 एसटीआर, पट्टा नं. 47, बुक नं. 25, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जावे।

मैने प्रार्थी बैंक के अभिभाषक के उक्त तर्कों पर मनन किया एवं पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14 एवं अन्य दस्तावेजात का अवलोकन किया तो पाया कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीगण मै. निशा टेलीकॉम – प्रो. श्रीमती नशा रानी एवं सुशील कुमार को 14.40/-लाख रुपये (अखरे रुपये चौदह लाख चालीस हजार मात्र) की ऋण राशि की स्वीकृति दिनांक 20.11.2015 को प्रदान की थी। ऋण की सुरक्षा की एवज में श्री सुशील कुमार द्वारा अपनी अचल सम्पत्ति वार्ड नं. 01 (क्षेत्रफल 1125 वर्गफुट), 3 एसटीआर, पट्टा नं. 47, बुक नं. 25, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर जो प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी है। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थीगण ऋणियों का खाता दिनांक 30.03.2019 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थीगण ऋणियों को धारा 13(2) का नोटिस दिनांक 02.05.2019 जारी किया गया है एवं धारा 13(2) का नोटिस रजिस्टर्ड डाक से जारी किये गए है एवं अप्रार्थीगण के नोटिस पर स्वयं के हस्ताक्षर है। जिसके अनुसार उक्त धारा 13(2) का नोटिस तामील हो चुका है। इस प्रकार धारा 13(2) के नोटिस तामील के बावजूद भी अप्रार्थी ऋणी ने प्रार्थी बैंक की बकाया ऋण राशि जमा नहीं करवाई है और बैंक के शपथ पत्र के अनुसार उक्त नोटिस पर ऋणियों द्वारा कोई आपत्ति या अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है।

जिला ~~रजिस्ट्रार~~
श्री गंगानगर

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त भूमि जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर होनी आवश्यक है।

जहां तक ऋण की एवज में बंधक रखी गयी अचल सम्पत्ति वार्ड नं. 01 (क्षेत्रफल 1125 वर्गफुट), 3 एसटीआर, पट्टा नं. 47, बुक नं. 25, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर जो श्री सुशील कुमार के नाम से है और जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबध है, उक्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक द्वारा चाहा जा रहा है वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

जहां तक धारा 13(2) के जारी नोटिस 02.05.2019 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार बैंक द्वारा दिनांक 02.05.2019 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) का जारी नोटिस पर अप्रार्थीगण मै. निशा टेलीकॉम-प्रो. श्रीमती निशा रानी एवं सुशील कुमार के नाम रजिस्टर्ड डाक से जारी किये गये है तथा उक्त धारा 13(2) के नोटिस पर स्वयं के हस्ताक्षर है। जिसके अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील हो चुकी है। इसके बाबजूद भी अप्रार्थीगण ने बैंक की समस्त बकाया राशि जमा नहीं करवाई है और न ही शपथ पत्र के अनुसार नोटिस पर कोई आपत्ति या अभ्यावेदन प्रस्तुत किया। इसलिए ऋण की सुरक्षा की एवज में ऋणी श्री सुशील कुमार द्वारा बंधक रखी गई उक्त अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को दिलाया जाना उचित होगा।

जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

अतः प्रार्थी भारतीय स्टेट बैंक का उक्त प्रार्थना पत्र दिनांक 19.09.2019 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 स्वीकार किया जाता है और अप्रार्थी ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक से प्राप्त ऋण की सुरक्षा की एवज में रखी गई अचल सम्पत्ति वार्ड नं. 01 (क्षेत्रफल 1125 वर्गफुट), 3 एसटीआर, पट्टा नं. 47, बुक नं. 25, तहसील घड़साना जिला श्रीगंगानगर जो कि ऋणी श्री सुशील कुमार के नाम से है और श्रीगंगानगर में स्थित है, का भौतिक कब्जा जरिये पुलिस की सहायता से प्रार्थी बैंक को दिलाये जाने के आदेश दिये जाते है। इस आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को इस आदेश के साथ अग्रेषित की जाती है कि प्रार्थी बैंक को उक्त अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा दिलाने हेतु उनके चाहे अनुसार, नियमानुसार पुलिस सहायता सम्बन्धित पुलिस थाना के माध्यम से उपलब्ध करवाई जावें। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक व जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर को पालनार्थ भिजवाई जावे।

यह आदेश आज दिनांक 20.11.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(शिवप्रसाद एम. नूकाते)
जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर